جو آپ سروس کرے سو دیوتا - جو کہنے سے کرے سو منش - جو کہنے سے بھی نہ کرے سو گدھا -

रात्री क्लास ओम् शान्ती 28-12-1967

दुनिया में, मनुष्यों की महिमा भी गाते हैं अरवबार में डालते हैं। पूछते हैं दुनिया में सबसे शाहुकार कौन है। वा ऊंचते ऊंच पोजीशन इस समय किसकी है? इस समय तो सबसे जास्ती पोज़ीशन कहेंगे प्रैजिडैन्ट वा किंग की है। शाहुकार में शाहुकार कहेंगे बिरला या और कोई नाम लेंगे। तुमसे पूछे तो तुम कहेंगे हमारे जैसा ऊंच ते ऊंच कोई भी नहीं हो सकता। तुम सारे विश्व की रूहानी सेवा करते हो। विश्व को तुम हेवन बनाती हो। तुम जानते हो हम ऊंच ते ऊंच बाप से वर्सा ले रहे हैं। तो रवुशी होनी चाहिये नां? अक्सर करके धन की रवुशी होती है। तुमको भविष्य 21 जन्म लिये स्वर्ग का मालिक बनने की रवुशी है। तुममें भी नम्बरवार पुरूषार्थ अनुसार अब ग्वालियर में प्रदर्शनी कर रहे हैं। सर्विसेबुल जो होंगे वो फट से जावेंगे। कहेंगे हम जाकर सर्विस करें। जाकर सीखें अनुभव पावें। हुल्लास जो रखते हैं वो ही फिर ऊंचा पद पा सकते हैं। सर्विस का शौक है तो प्रदर्शनी, सर्विस पर भागेंगे। झट बाबा को लिखेंगे हम सर्विस पर जा सकते हैं। ऐसे नहीं कि बाबा को लिखना है फलाने जाओ। बाबा कहते हैं जो आप ही करे सो देवता, कहने से करे सो मनुष्य, कहने से भी नां करे तो गधा। यहां तुम आये ही हो मनुष्य से देवता बनने। तो जहां सुना प्रदर्शनी है भागना चाहिये। अन्दर में रहता है नां ऐसे समझाऊं बाप का परिचय दूं। यह है किसी को विषय वैतरणी नदी से बाहर निकालना। वैशाल्य से शिवाल्य में ले जाना। यह कितना बड़ा पुण्य का काम है। दान भी सम्भाल कर दिया जाता है। पापात्मा को दिया तो वो जाकर पाप करेंगे तो उसका पाप उस पर आ जावेगा। सर्विस का बहुत शौक हो तब ऊंच पद पा सके। शरीर निर्वाह लिये भी करना है। फिर भी जितना हो सके सर्विस में समय देना है। बाप को अविनाशी सर्जन कहा जाता है। आत्मा तमोप्रधान बन गई है। उनको सतोप्रधान बनाते हैं। बाप आत्मा को इन्जैक्शन लगा पावन बनाते हैं। इन्जैक्शन क्या है? मनमनाभव। बस यह इन्जैक्शन लगानी है। ऊंच पद पाना है तो सारा मदार है सर्विस पर। पैसे भी क्या करेंगे विनाश तो होना ही है। पहले लड़ाई लगती थी तो छोटे राजायें बड़े राजाओं को अपना रवजाना कर्ज देते हैं। फिर वापस मिल जाता है। बाप को कहते हैं बाबा हम तन मन धन स्वाहा करते हैं। क्यों? भविष्य 21 जन्मों को पाने लिये। समझो हम 21 जन्म का ऊंच प्रारब्ध पावें तो फालो फादर। इसने सब कुछ बाप को दे विश्व की बादशाही ले ली। बाबा को साक्षात्कार हुआ मैं यह बनता हूं। तो क्यों नां सब कुछ दे देवें। सुदामा का भी मिसाल है। इस लिये उनको भोलानाथ भंडारी कहते हैं। झोली भर देते हैं। महल दे देते हैं। इस लिये भण्डारी और भोला नाम रखा है। अमेरिकन लोग बहुत भोले होते हैं। 50 रूपये की चीज़ 100 में ले लेंगे। पुरानी चित्र देवताओं के बहुत लेते हैं। पांच रूपये का चित्र होगा 500 दे देंगे। बहुत भोले होते हैं। कहते हैं गन्दे का गूडा, मत का मूढा कोई ग्राहक मिलाई। तुम बच्चों को तो भोलानाथ बाप मिला है। श्रीमत से तुम ऐसे श्रेष्ट बनते हो। इस सर्विस का शौक जिसको रहता है उस पर बाप भी बहुत राजी रहता है। मददगार है नां। फादर शोज़ सन, फिर सन शोज़ फादर। तुम बच्चे बाप की पहचान देते हो। यह थोड़े ही सबसे मिलेगा। यह कब मिलते नहीं है। पूछो किससे मिलना चाहते हो? महात्मा तो कोई यहां है नहीं। यहां बोर्ड में देखो प्रजापिता ब्रह्मा कुमारियां, तो बाप है बच्चे हैं। बाप के साथ तुम क्यों मिलना चाहते हो समझाना तुमको है बाबा को नहो मिलना है। बाप तो बच्चों को गोद में ले श्रंगारेंगे। बाप कहते हैं तुम श्रीमत पर चलने से विश्व के भी मालिक बनते हो ब्राह्मांड के भी मालिक बनते हो। तो ऐसे बाप के श्रीमत पर चलना चाहिये नां। अपने को फ्री कर भी सर्विस पर भागना चाहिये। हर्जा नहीं है (तन रव्वाह) पैसे नहीं मिली तो। हम बहुतों का कल्याण कराते हैं। जिनको भी समय हो वो देहली में प्रदर्शनी कमेटी को नाम **** भेज दें। बाबा के पास तो समाचार सब आता ही है बाबा तो नहीं जा सकते हैं नां। यह तो हाईऐस्ट आथारटी है नां। ऊंच ते ऊंच शिव बाबा। सैकिंड नम्बर में है ब्रह्मा। त्रिमूर्ती ब्रह्मा कहते हैं। त्रिमूर्ती विष्णु वा शंकर नहो कहते हैं। तो पहले शिव बाबा। फिर ब्रह्मा जिसमें प्रवेश करते हैं। जो फिर ऊंच ते ऊंच श्री नारायण बनते हैं। कितनी निर्माणता निरअहंकार पना है। तम बच्चों के सिवाय इसको कोई जानते ही नहीं है। यह है गुप्त। तुम डबल नानवायलेन्स हो। नां विकार की वायोलैन्स नां लड़ना झगड़ना। इसमें भी बड़ी अवस्था चाहियें। नहीं तो माया तूफान में हिला देती है।

گدھا

گوالیار

انجکشن

مددگار

وائلینس اوستھا طوفان